

## 1 मार्च से लागू होंगे नए नियम! बंद हो सकता है आपका WhatsApp

### वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> 1 मार्च से बदल रहे हैं ये बड़े नियम आम जनता की जेब और मोबाइल पर पड़ेगा सीधा असर...
- >> व्हाट्सएप और टेलीग्राम यूजरस सावधान! लागू होने जा रहा है सख्त समि-बाइंडिंग नि...
- >> क्या है नया समि-बाइंडिंग (SIM-Binding) नियम और यह कैसे काम करेगा?...
- >> समि-बाइंडिंग की कार्यप्रणाली...
- >> ओटीपी (OTP) का पुराना तरीका खत्म अब बिना एक्टिवि समि के नहीं चलेगे मैसेजिंग ऐप्...
- >> डिजिटल फ़ॉड और समि स्वैप पर लगेगी लगाम सरकार और कंपनियों का बड़ा कदम...
- >> इस कदम से होने वाले मुख्य फायदे ...
- >> एलपीजी (LPG) सिलिंडर के नए दाम 1 मार्च को रसोई के बजट में क्या होगा बदलाव?...
- >> यूपीआई (UPI) ट्रांज़ैक्शन के नियमों में बदलाव लेनदेन करने से पहले जान लें ये जरू...
- >> नष्टिकर्ष...
- >> जनता के सवाल (FAQs)...

हर नए महीने की शुरुआत अपने साथ कई वित्तीय और तकनीकी बदलाव लेकर आती है। ठीक इसी तरह, 1 मार्च से देश में कई बड़े नियम बदलने जा रहे हैं, जिनका सीधा असर आम आदमी की दैनिक जिंदगी और बजट पर पड़ेगा। इस बार बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट और सोशल मीडिया ऐप्स से जुड़े नियमों में बड़े फेरबदल देखने को मिलेंगे।

इन बदलावों में सबसे ज्यादा चर्चा मैसेजिंग ऐप्स की सुरक्षा को लेकर हो रही है। यदि आप भी डिजिटल ट्रांज़ैक्शन करते हैं या व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं, तो आपको इन नए नियमों को वसितार से समझ लेना चाहिए ताकि आपको भविष्य में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। ऐसे ही नियमों के बारे में जानने के लिए आप हमारे पुराने लेखों जून से लागू होने वाले नियमों भी पढ़ सकते हैं।

### 1 मार्च से बदल रहे हैं ये बड़े नियम: आम जनता की जेब और मोबाइल

सरकार और वित्तीय नियामक संस्थाओं द्वारा जारी लेटेस्ट अपडेट (Latest Update) के अनुसार, 1 मार्च से डिजिटल सुरक्षा और आम बजट को प्रभावित करने वाले नियम लागू हो रहे हैं। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को वित्तीय नुकसान से बचाना और बढ़ती डिजिटल धोखाधड़ी पर लगाम लगाना है।

इस महीने से न केवल आपकी रसोई का खर्च प्रभावित हो सकता है, बल्कि आपके मोबाइल में मौजूद जरूरी ऐप्स के काम करने का तरीका भी पूरी तरह बदलने वाला है। यदि आप समय रहते इन नियमों के अनुसार अपनी आदतों में बदलाव नहीं करते हैं, तो आपको सर्वसि ब्लॉक होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

## व्हाट्सएप और टेलीग्राम यूजरस सावधान! लागू होने जा रहा है सख

मैसेजिंग प्लेटफॉर्मस का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों भारतीय यूजरस के लिए एक बेहद जरूरी खबर है। 1 मार्च से व्हाट्सएप (WhatsApp), टेलीग्राम (Telegram) और सिग्नल (Signal) जैसी कंपनियों के लिए सरकार नए दिशानिर्देश लागू करने जा रही है। इसके तहत अब सुरक्षा को अत्यधिक मजबूत किया जाएगा।

नए नियमों के लागू होने के बाद यदि कोई यूजर बना एक्टिवि समि के इन ऐप्स को चलाने की कोशिश करेगा, तो उसका अकाउंट तुरंत सस्पेंड या ब्लॉक किया जा सकता है। इसलिए अब आपको अपने मुख्य मैसेजिंग नंबर को हमेशा एक्टिवि रखना होगा।

## क्या है नया समि-बाइंडिंग (SIM-Binding) नियम और यह कैसे काम क

समि-बाइंडिंग एक ऐसी तकनीकी व्यवस्था है जो आपके डिविडस (स्मार्टफोन) और उसमें मौजूद एक्टिवि समि कार्ड के बीच एक डिजिटल लिंक स्थापित करती है। सरल शब्दों में कहें तो, जसि मोबाइल नंबर से आपका व्हाट्सएप या टेलीग्राम अकाउंट बना है, वह समि कार्ड उसी फोन के अंदर भौतिक रूप से मौजूद और चालू (Active) स्थिति में होना चाहिए।

## समि-बाइंडिंग की कार्यप्रणाली

>> समि की मौजूदगी अनिवार्य: ऐप बैकग्राउंड में लगातार यह चेक करेगा कि रजिस्टर्ड समि फोन में है या नहीं।

>> समि नकालने पर पाबंदी: यदि आप फोन से समि कार्ड नकाल देते हैं, तो ऐप काम करना बंद कर देगा।

>> नष्क्रियि समि पर रोक: अगर आपका नंबर रीचार्ज न होने के कारण बंद हो गया है, तो आपका अकाउंट लॉगआउट हो जाएगा।

यह नियम कानूनी और तकनीकी दोनों स्तरों पर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत के डिजिटल कानूनों और अधिनियमों की वसितुत सूची (PDF List) आपडंडिया कोड पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन चेक कर सकते हैं।

## ओटीपी (OTP) का पुराना तरीका खत्म: अब बना एक्टिवि समि के नहीं

अब तक की व्यवस्था के अनुसार, यूजरस किसी भी दूसरे फोन या टैबलेट में अपना मोबाइल नंबर डालकर 6 अंकों का वन-टाइम पासवर्ड (OTP) दर्ज करते थे और उनका व्हाट्सएप या टेलीग्राम चालू हो जाता था। इसके बाद उस समि कार्ड का फोन में होना जरूरी नहीं होता था। कई लोग बना समि वाले टैबलेट या दूसरे फोन में भी वाई-फाई के जरिए सालों तक व्हाट्सएप चलाते रहते थे।

लेकनि 1 मार्च से यह पुराना तरीका हमेशा के लिए खत्म होने जा रहा है। अब केवल वन-टाइम ओटीपी वेरिफिकेशन काफी नहीं होगा। ऐप्स समय-समय पर डिविडस में समि की मौजूदगी का लाइव स्टेटस (Status Check) वेरिफाई करेंगे। यदि वेरिफिकेशन फेल होता है, तो आपकी

चैट और कॉलिंग की सुविधाएं तुरंत सीमित कर दी जाएंगी।

## डिजिटल फ्रॉड और समि स्वैप पर लगेगी लगाम: सरकार और कंपनियों क

हाल के वर्षों में भारत में समि स्वैप (SIM Swap) और फर्जी अकाउंट बनाकर कए जाने वाले साइबर अपराधों में भारी बढ़ोतरी देखी गई है। साइबर अपराधी किसी दूसरे के नाम पर फर्जी समि एक्टिवेट करके या वर्किंग के नंबर का डुप्लीकेट समि निकालकर उनके व्हाट्सएप का एक्सेस हासिल कर लेते थे और उनके रश्तेदारों से पैसों की मांग करते थे।

## इस कदम से होने वाले मुख्य फायदे:

- >> समि स्वैपिंग पर रोक:अपराधी आपके नंबर का ओटीपी चुराकर भी दूसरे फोन में आपका ऐप चालू नहीं कर पाएगा।
- >> फर्जी अकाउंट्स का खात्मा:एक ही नंबर से कई जगहों पर चल रहे अवैध क्लोन ऐप्स पूरी तरह बंद हो जाएंगे।
- >> सुरक्षित बैंकिंग:चूकियूपीआई और मैसेजिंग ऐप्स आपस में जुड़े होते हैं, इसलिए इस नियम से वित्तीय धोखाधड़ी कम होगी।

## एलपीजी (LPG) सिलिंडर के नए दाम: 1 मार्च को रसोई के बजट में क

हर महीने की पहली तारीख को सरकारी तेल कंपनियों (जैसे IOCL, BPCL, HPCL) एलपीजी घरेलू और कमर्शियल गैस सिलिंडरों की कीमतों की समीक्षा करती है। 1 मार्च को सुबह 6 बजे गैस सिलिंडरों के नए दामों की घोषणा की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए इस बार कीमतों में बदलाव की पूरी संभावना है।

यदि कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम घटते या बढ़ते हैं, तो इसका सीधा असर बाजार के खाने-पीने की चीजों पर पड़ता है। वही घरेलू गैस सिलिंडर के दामों में बदलाव सीधे तौर पर आम गृहणियों के रसोई बजट को प्रभावित करता है। आप आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने शहर की नई रेट लसिट ऑनलाइन अप्लाई या चेक (Check) कर सकते हैं।

## यूपीआई (UPI) ट्रांज़ैक्शन के नियमों में बदलाव: लेनदेन करने से

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा यूपीआई (UPI) पेमेंट्स को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए नए सुरक्षा मानक तय कए जा रहे हैं। 1 मार्च से ऑनलाइन ट्रांज़ैक्शन करते समय कुछ नए सुरक्षा प्रोटोकॉल का सामना करना पड़ सकता है, विशेषकर उन खातों के लिए जो उच्च मूल्य (High-Value) का लेनदेन करते हैं।

इसके अलावा, पछिले कुछ समय से बंद या नष्क्रियि पड़े यूपीआई आईडी (UPI IDs) को हमेशा के लिए डीएक्टिविड कयिा जा सकता है। डिजिटल इंडिया के इस दौर में सुरक्षा से जुड़े नयिमों के साथ-साथ वतितीय दस्तावेजों को अपडेट रखना भी जरूरी है। जैसे पैन कार्ड से जुड़े बदलावों को समझने के लिए आप हमारा यह वशिष लेखपैन कार्ड के नए नयिम 2026 देख सकते हैं।

## नष्क्रिष

1 मार्च से होने वाले ये सभी बदलाव सुरक्षा और नयिामक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कएि जा रहे हैं। जहां एक ओर समि-बाइंडिंग नयिम से आपके व्हाट्सएप और टेलीग्राम अकाउंट्स पहले से कही अधकि सुरक्षति हो जाएंगे और डिजिटल फ्रॉड पर लगाम लगेगी, वही दूसरी ओर एलपीजी की कीमतों और यूपीआई के नयिमों से आपकी जेब पर सीधा असर पड़ेगा। बुद्धिमानी इसी में है कआप इन सभी नयिमों को समय रहते समझें और अपने मोबाइल नंबर व वतितीय खातों को अपडेट रखें।

## जनता के सवाल (FAQs)

यह एक ऐसी सुरक्षा तकनीक है जिसके तहत आपका व्हाट्सएप या टेलीग्राम ऐप केवल उसी फोन में काम करेगा, जिसमें वह समि कार्ड भौतिक रूप से मौजूद और एक्टिवि रहेगा।

नही, 1 मार्च से लागू होने वाले नए नयिम के बाद आप बिना एक्टिवि समि के सर्रिफ ओटीपी डालकर कसिी दूसरे डिवाइस पर स्थायी रूप से ऐप नही चला सकेंगे।

अगर आपकी समि नष्क्रियि हो जाती है या ऑपरेटर द्वारा बंद कर दी जाती है, तो मैसेजिंग ऐप्स समय-समय पर होने वाले बैकग्राउंड वेरफिकैशन में वफिल हो जाएंगे और आपका अकाउंट बंद हो सकता है।

लकिड डिवाइसेज काम करते रहेंगे, लेकिन इसके लिए आपके मुख्य स्मार्टफोन में वह समि कार्ड एक्टिवि और उपस्थति होना अनविार्य होगा जिससे वह अकाउंट लकि है।

इसका मुख्य उद्देश्य समि स्वैपिंग (SIM Swapping), फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स और बढ़ते डिजिटल व साइबर फ्रॉड पर पूरी तरह से रोक लगाना है।

हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां एलपीजी के दाम संशोधति करती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुसार घरेलू और कमर्शियल गैस सिलिंडरों की नई दरें 1 मार्च को जारी की जाएंगी।

सुरक्षा प्रोटोकॉल कड़े होने से ऑनलाइन लेनदेन पहले से अधकि सुरक्षति होगा। साथ ही, लंबे समय से बंद पड़ी नष्क्रियि यूपीआई आईडी को डिलीट कयिा जा सकता है।

नही, इसके लिए कही ऑनलाइन अप्लाई नही करना है। आपको बस यह सुनिश्चति करना है कआपकी रजिस्टर्ड समि आपके फोन में चालू रहे और आपका ऐप लेटेस्ट वर्जन पर अपडेटेड हो।